आकाशवाणी केन्द्र शिमला

21.07.2025/प्रादेशिक समाचार/1800 बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मौजूदा मौसम की स्थिति के दृष्टिगत अधिकारियों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आज शिमला से सभी उपायुक्तों से दूरभाष के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति की जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री ने भूस्खलन, बाधित सड़कों और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विभागों के बीच समन्वय के महत्त्व पर भी बल दिया। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आवश्यक सेवाओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि लोगों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने लोगों से बरसात के मौसम में नदी–नालों के निकट न जाने और जिला प्रशासन द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का आग्रह भी किया।

जयराम ठाकुर

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि मंडी ज़िला में मॉनसून ने भारी तबाही मचाई है और आपदा के 20 दिन बाद भी सिराज विधानसभा क्षेत्र में लोग अस्थायी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। आपदा प्रभावित सिराज विधानसभा क्षेत्र का दौरा करने के बाद आज शिमला में पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पेयजल योजनाएं और सड़कें अभी तक बहाल नहीं हो पाई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस गति से सरकार की तरफ से राहत व पुनर्वास कार्य होने चाहिए थे, वो नहीं हो रहे हैं। जयराम ठाकुर ने बादल फटने की घटनाओं के कारणों का अध्ययन करने की ज़रूरत पर बल दिया।

मौसम

प्रदेश में बीती रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह अस्त–व्यस्त हो गया है। भारी बारिश के चलते जगह–जगह हुए भूस्खलन से 3 राष्ट्रीय राजमार्ग समेत 3 सौ 98 सड़कें बंद हो गई हैं और 6 सौ 82 बिजली ट्रांसफार्मर, जबकि एक सौ 51 पेयजल योजनाएं भी बंद हैं।

इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य में आगामी 24 घंटों के दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जबकि 23 से 27 जुलाई तक येलो अलर्ट जारी किया गया है।

इस मानसून सीजन में वर्षा जनित घटनाओं में अब तक एक सौ 32 लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि 34 अभी भी लापता हैं।

———————————————